



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

15 आश्विन 1938 (श०)

(सं० पटना 848) पटना, शुक्रवार, 7 अक्टूबर 2016

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद

अधिसूचना

22 फरवरी 2016

सं० 3795—बाबा मुनेश्वर नाथ महादेव मंदिर (महंथ स्थान), ग्राम—गोढ़ैल, पोस्ट—तुमौल, जिला—दरभंगा पर्षद में निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—3952 है।

इस पौराणिक स्थान के सुचारु प्रबंधन परिसम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक—2336, दिनांक 26.03.2010 द्वारा एक न्यास समिति का गठन 05 वर्षों के लिए किया गया था, जिसका कार्यकाल समाप्त हो गया है। अतः इसके प्रबंधन के लिए एक विस्तृत योजना का निरूपण तथा नई न्यास समिति का गठन आवश्यक है। इस हेतु एक न्यास समिति के गठन के लिए सदस्यों का नाम भेजने हेतु अंचल अधिकारी, घनश्यामपुर, दरभंगा को पर्षदीय पत्रांक 1387 दिनांक 30.07.2015 द्वारा अनुरोध किया गया। उक्त पत्र के अनुपालन में अंचल अधिकारी, घनश्यामपुर, दरभंगा से उनके पत्रांक 52 दिनांक 30.01.2016 द्वारा न्यास समिति के गठन हेतु नौ व्यक्तियों का नाम प्राप्त हुआ है। इसके आलोक में न्यास के सुचारु प्रबंधन हेतु न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया गया।

अतएव बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास की उप विधि संख्या 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए बाबा मुनेश्वर नाथ महादेव मंदिर (महंथ स्थान) की परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण, सुचारु प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नामा “बाबा मुनेश्वर नाथ महादेव मंदिर (महंथ स्थान) न्यास योजना” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “बाबा मुनेश्वर नाथ महादेव मंदिर (महंथ स्थान) न्यास समिति” होगा।
2. बाबा मुनेश्वर नाथ महादेव मंदिर (महंथ स्थान), ग्राम—गोढ़ैल, पोस्ट—तुमौल, जिला—दरभंगा तथा इसकी समस्त चल—अचल सम्पत्ति तथा आय के प्रबंधन, संचालन एवं प्रशासन का अधिकार बाबा मुनेश्वर नाथ महादेव मंदिर (महंथ स्थान) न्यास समिति में निहित होगा।
3. इस न्यास समिति का प्रमुख दायित्व मन्दिर में परम्परागत पूजा—अर्चना, राग—भोग, उत्सव—समैया आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् प्रबंधन सुनिश्चित करना होगा।

4. न्यास की समग्र आय समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में रखी जायेगी और बैंक खाता का संचालन समिति के अध्यक्ष, सचिव, एवं कोषाध्यक्ष में से किन्हीं दो के हस्ताक्षर से होगा।
5. मन्दिर में प्राप्त होने वाले सभी चन्दा, चढ़ावा एवं मांगलिक/धार्मिक आयोजनों के लिए निर्धारित राशि के लिए दाताओं को उचित पावती रसीद दी जायेगी और उसका सम्यक् लेखा संधारण किया जायेगा।
6. न्यास समिति के आय-व्यय में शुचिता एवं पारदर्शिता रखेगी।
7. मन्दिर में आने वाल आस्थावान भक्तों के साथ किसी प्रकार का भेद-भाव नहीं किया जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा। कुष्णाष्टमी आदि विशेष अवसरों पर भक्तों की सुविधा एवं सुरक्षा का ख्याल रखा जायेगा।
8. मन्दिर परिसर में भेंट पात्र रखे जायेंगे जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति के दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर सत्यापित पंजी में प्रविष्टि के बाद बैंक खाता में जमा की जायेगी।
9. न्यास समिति न्यास परिसर को स्वच्छ एवं अतिक्रमणमुक्त, यदि हो तो, रखेगी।
10. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित सभी प्रावधानों का सम्यक् अनुपालन सुनिश्चित करेगी तथा वार्षिक आय-व्यय का विवरण, बजट, देय शुल्क की राशि एवं बैठकों की कार्यवृत्त पर्वद को ससमय भेजेगी।
11. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष करेंगे। सचिव समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्तरूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष लेखा की सम्यक् संधारण के लिए जिम्मेवार होंगे।
12. न्यास समिति की बैठक सामान्यतः मन्दिर परिसर में होगी। यह बैठक प्रत्येक तिमाही में कम-से-कम एक बार अवश्य होगी।
13. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन अथवा संशोधन का अधिकार पर्वद में निहित होगा।
14. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि मन्दिर की सम्पत्ति से प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से लाभान्वित होंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे तो सदस्य बने रहने की उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
15. न्यास समिति को न्यास की कोई सम्पत्ति बेचने, लीज पर देने या किसी प्रकार से अन्य संक्रमण का अधिकार नहीं होगा।
16. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराने हेतु आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करेगी।

उपर्युक्त योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

- | | | |
|--|---|--------------|
| (1) अंचल अधिकारी, अंचल घनश्यामपुर, जिला-दरभंगा | — | पदेन अध्यक्ष |
| (2) श्री जवाहर साफी, पिता-स्व० वकील साफी,
ग्राम-छड़ड़ापट्टी, पोस्ट-तुमौल, जिला-दरभंगा | — | उपाध्यक्ष |
| (3) श्री राम कुमार मिश्र, पिता-स्व० उपेन्द्र नारायण मिश्र,
ग्राम+पोस्ट-तुमौल, जिला-दरभंगा | — | सचिव |
| (4) श्री सूरेश प्रसाद यादव, पिता-देवचन्द्र यादव,
ग्राम-गोढ़ौल, पोस्ट-तुमौल, जिला-दरभंगा | — | कोषाध्यक्ष |
| (5) श्री जगदीश प्रसाद साहु, पिता-स्व० रामेश्वर साहु,
ग्राम-गोढ़ौल, पोस्ट-तुमौल, जिला-दरभंगा | — | सदस्य |
| (6) श्रीमती शीला देवी, पति-कामेश्वर मल्लिक,
ग्राम-गोढ़ौल, पोस्ट-तुमौल, जिला-दरभंगा | — | सदस्य |
| (7) श्री हरि भारती पिता-स्व० रामजी भारती,
ग्राम-गोढ़ौल, पोस्ट-तुमौल, जिला-दरभंगा | — | सदस्य |
| (8) श्री अशोक कुमार सिंह, पिता-इन्द्रदेव सिंह,
ग्राम+पोस्ट-तुमौल, जिला-दरभंगा | — | सदस्य |
| (9) थानाध्यक्ष, घनश्यामपुर, जिला-दरभंगा | — | पदेन सदस्य |

इन सदस्यों में से कोई किसी की निकट रिश्तदारी में सिद्ध होगा, तो उसकी सदस्यता अमान्य होगी।

यह योजना दिनांक 22.02.2016 से प्रभावी होगी और इसका कार्यकाल 05 वर्षों का होगा।।

**आदेश से,
किशोर कुणाल,
अध्यक्ष।**

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 848-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>